आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम् ।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यं, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम्।।

सेवा सौभाग्य

परम पू. कैलाश जी 'मानव' ● मूल्य » 5 ● वर्ष-12 ● अंक » 141 ● मुद्रण तारीख » 1 सितम्बर-2023 ● कुल पृष्ठ » 24

चंडीगढ़ में दिव्यांग टैलेंट शो

इंद्रधनुषी मंच पर हौसले की मोहर

जो रूक गये
जीवन में
उनको चलायें
देवें
कृत्रिम
अंग का
उपहार
कृपया मदद करें
Donate Now
एक कृत्रिम
अंग सहयोग
5000 रू.
FOLLOW US
Narayan Seva Sansthan

» 1 सितम्बर, 2023 » वर्ष 12 » अंक 141 » मूल्य 05 » कुल पृष्ठ 24

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva

सेवा सौभाग्य

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

मुख्यालय : हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)-313002, फोन नं. : +91-294-6622222, वाट्सऐप : +91-7023509999
Web » www.narayanseva.org E-mail » info@narayanseva.org

पाठकों के लिए इस माह

07

09

10

14

16

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक » **कैलाश चन्द्र अग्रवाल** » सम्पादक **प्रशान्त अग्रवाल** » सहयोग **विष्णु शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद गौड़** » डिजाइनर **विरेन्द्र सिंह राठौड़**

Seva Soubhagya Print Date 1 September, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

प्रतिभा को दें अवसर

'यदि आप मेरी मदद करना ही चाहते हैं तो मुझे किसी स्कूल में दाखिला दिलवा दीजिए। मैं पढ़ना चाहता हूँ, अपनी अपगंता को अवसर में बदलना चाहता हूँ।'

वह गरीब घर का था। कुपोषण के कारण जन्मजात अपंग था। बच्चे के माता-पिता ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार परवरिश की लेकिन इलाज के अभाव में अपंगता उसकी नियती बन गई। एक दिन बाजार के किनारे बैठ चहल-पहल देख रहा था। उसे अपनी विकलांगता पर मलाल था। अपने भविष्य को लेकर भी सोच रहा था। इसी दौरान एक सज्जन उसके निकट आए और अपने हाथों से बच्चे की मुट्ठी खोलते हुए उस पर एक डॉलर रख दिया। बच्चे ने तत्काल उसे पुनः सज्जन को लौटाते हुए दृढ़ता, आत्म विश्वास और विनम्रता से कहा- 'श्रीमान! यदि आप मेरी मदद करना ही चाहते हैं तो मुझे किसी स्कूल में दाखिला दिलवा दीजिए। मैं पढ़ना चाहता हूँ, अपनी अपगंता को अवसर में बदलना चाहता हूँ। बालक के स्वाभिमान और उत्तर से प्रभावित सज्जन दोनों पांव से अपंग इस बालक को कार में बिठा अपने साथ ले गए और उसे एक विशिष्ट स्कूल में दाखिल करवा दिया और पढ़ाई पूरी होने तक उसकी जरूरतें भी पूरी की।

बंधुओं! प्रतिभा, स्वाभिमान व दृढ़ निश्चय से दोनों पांव से विकलांग यही बालक आगे चलकर 'उड़ाका सेण्डर्स' के नाम से एक निपुण विमान चालक के रूप में प्रसिद्ध हुआ। निःशक्तजन के प्रति करूणाभाव, स्वाभाविक और जरूरी भी है लेकिन उसे इस तरह प्रदर्शित करें कि वह दया और अहसान न दिखाई दे और उसके भविष्य निर्माण में भी सहायक हो। वे अपने पांवों पर खड़े हो सकें, उनमें छिपी प्रतिभा मुखर हो सके।वे समाज के विकास में सहभागी बन अपने पर गर्व महसूस कर सकें।

आपका अपना नारायण संस्थान पिछले 38 वर्ष से इसी दिशा में अग्रसर है। अब तक 4.50 लाख से अधिक विकलांग बच्चों एवं युवाओं की निःशुल्क सर्जरी कर उन्हें अपने पांवों पर खड़ा किया जा चुका है। सड़क हादसों में अपने हाथ-पैर गंवाने वाले 38 हजार से अधिक बंधु-बहिनों को कृत्रिम अंग के माध्यम से गतिमान बनाया गया है। इन्हें स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ाया गया है। गरीब व आदिवासी बालक नारायण चिल्ड्रन एकेडमी में डिजिटल शिक्षा पा रहे हैं। नारायण गुरूकुल में वैदिक संस्कारों की शिक्षा दी जा रही है। नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय में असाध्य रोगों के उपचार से अनेक लोग लाभान्वित हो रहे हैं। इन सेवाओं को और अधिक विस्तार देने की दृष्टि से आप महानुभावों के सहयोग से 'वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी' का भव्य सेवा परिसर शीघ्र ही लोकार्पित होने जा रहा है। पीड़ित मानवता के लिए इस सेवा यज्ञ में आपश्री के सहयोग की निरन्तर आहूति के लिए हार्दिक आभार। आपका सहयोग हजारों बच्चों को वे अवसर प्रदान करेगा, जिनसे समाज उन पर गर्व करेगा।

'सेवक'
प्रशान्त भैया अध्यक्ष

परमार्थ में ही संतोष

याचक भूखा था। फ्रांसिस उसे भोजन करवाने ले गए और अपना कोट खोल उसके खुले तन पर डाल दिया। 'आपका कल्याण हो।' याचक ने आशीर्वाद दिया। फ्रांसिस ने सन्तोष की सांस ली दरिद्रनारायण को प्रसन्न देखकर।

यूरोपीयन संत-साहित्य के इतिहास में इटली के प्रसिद्ध संत अस्सीसाईवाल फ्रांसिस का नाम प्रसिद्ध है। विरक्त जीवन से पूर्व समय की एक घटना है। वे युवा थे। राग-रंग में उनकी बड़ी रूचि थी। कला-साधकों और संगीतज्ञों का वे बहुत ही आदर-सम्मान करते थे। वे 12वीं शताब्दी के प्रसिद्ध अमीर व्यापारी बरनरडोन के पुत्र होने के नाते उदारता और दानशीलता में भी सबसे आगे थे। कोई भी जरूरतमंद उनके रहते दुकान या घर से खाली हाथ नहीं लौटता था।

एक समय की बात है- वे रेशमी वस्त्रों की अपनी पेढ़ी पर थे। पिता भी दुकान के भीतरी हिस्से में किसी कार्य में व्यस्त थे। फ्रांसिस एक धनी ग्राहक से मोलभाव कर रहे थे, तभी उन्हें दुकान के बाहर एक याचक दिखलाई पड़ा। वह फ्रांसिस से कुछ पाने की गरज से कातर दृष्टि से लगातार उनकी तरफ देख रहा था। फ्रांसिस ने उन्हें देखा और फिर ग्राहक से बात करने में व्यस्त हो गए। कुछ देर बाद जब ग्राहक चला गया तो कातर दृष्टि याचक का चेहरा उनके मानस पटल पर उभर गया, तब उन्होंने दुकान से बाहर जाकर देखा तो वह वहां नहीं था। मन उन्हें धिक्कार उठा। वे सोचने लगे कि उनसे बहुत बड़ा पाप हो गया। आसपास के दुकानदारों और लोगों से याचक के बारे में पूछने पर भी जब पता न चला तो वे खुद उसे ढूंढ़ने दौड़ पड़े। उनका शरीर पसीने से लथपथ था। लोगों ने समझा कोई उनकी दुकान से माल चोरी कर भाग गया है,उसे ही यह ढूंढ रहे है। लेकिन फ्रांसिस की मनोदशा और वेदना की थाह कोई न पा सका। उन्हें इस बात की पीड़ा थी कि एक अतिथि उनके द्वार से तिरस्कृत होकर खाली हाथ लौट गया। इसी आत्मग्लानि के अगले ही क्षण उनका मन-मयूर नाच उठा। वही याचक थोड़ी दूर पर खड़ा दिखाई दिया। वे दौड़कर उससे लिपट गए। उसके पास जाकर बोले-'भैया! मुझसे बड़ी भूल हो गई। रूपए-पैसे का सौदा ही ऐसा है कि आदमी उसमें उलझकर अंधा हो जाता है।' फ्रांसिस ने अपनी विवशता बताई और क्षमा मांगी। याचक भूखा था। फ्रांसिस उसे भोजन करवाने ले गए और अपना कोट खोल उसके खुले तन पर डाल दिया। 'आपका कल्याण हो।' याचक ने आशीर्वाद दिया। फ्रांसिस ने सन्तोष की सांस ली दरिद्रनारायण को प्रसन्न देखकर।

बंधुओं! यही खुशी, प्रसन्नता जीवन को सार्थकता देने और साथ आने वाली है। न पैसा साथ आएगा और न कोई रिश्ता।

पूज्य कैलाश जी 'मानव' संस्थापक चेयरमैन

फूल सा खिल उठा आदिल

नी ली छतरी वाले का खेल भी कमाल का है जिसके हिस्से में दुःख का विधान लिखता है तो उसके समाधान का संकेत भी करता है। वो कभी निर्दयी नहीं हो सकता। आदिल ने जन्म तो लिया परन्तु शारीरिक विकृति के साथ। ना तो ठीक से खड़ा हो पाता और ना ही चल पाने में समर्थ। ब्यावर निवासी छः वर्षीय आदिल खान का जब जन्म हुआ तो दायां हाथ और दोनों पांव विकृत थे। यह देख माता-पिता सन्न रह गए। उसे लेकर उन्होंने जो सपने सजाए वे सारे बिखर गए। माता-पिता अपना नसीब मानकर बेटे की परवरिश में लग गए। उसकी बढ़ती उम्र और दिव्यांगता की पीड़ा उन्हें अंदर ही अंदर खाए जा रही थी। उसके साथ न कोई खेलता और न वह किसी के पास जा पाता। सब उसका मज़ाक उड़ाते थे। लेकिन माँ ने हार नहीं मानी। हर वक्त साये की तरह साथ रहते हुए उसका हौसला बढ़ाती रही। हालांकि अकेले में रोने के सिवाए उसके पास भी कोई चारा न था। इस वर्ष जून माह में परिवार को नारायण सेवा संस्थान के कृत्रिम अंग वितरण की जानकारी मिली तो उन्होंने बिना समय गंवाए संस्थान आकर आदिल को बताया। संस्थान में उसके दोनों पैरों और दाएं हाथ का माप ले विशेष कृत्रिम अंग बनाकर पहनाए गए। कुछ दिन कृत्रिम हाथ.पैर के साथ चलने-फिरने का अभ्यास कराया गया। खुद को चलता पाकर आदिल खुशी से खिल उठा। अब स्कूल जाकर पढ़ने की तैयारी में जुटा है।

आदिल को चलते-खेलते देख माँ की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े। वे कहती हैं कि मेरे पास वे शब्द नहीं कि जिनसे संस्थान का शुक्रिया कर सकूं। खुदा संस्थान और सेवा करने वालों को सदा सलामत रखें।

परिवार ने पहली संतान के रूप में बेटी के जन्म से खूब खुशियां मनाई। सुरेश-केसर देवी ने बेटी का नाम तुलसी रखा और परवरिश में लग गए। ट्रेक्टर चालक पिता और गृहणी माता बेटी के साथ आनन्दमय जीवन जी रहे थे। खुशी-खुशी 4 साल बीत गए। सब ठीक चल रहा था कि सितंबर 2022 में एक घटना ने परिवार की खुशियों की बुनियाद को हिला कर रख दिया।

कृत्रिम पैर पाकर दमक उठी तुलसी

एक दिन जब घर के आंगन में तुलसी (5) खेल रही थी। उसके रोने की आवाज पर माँ दौड़ आई। बच्ची के करीब सांप को देख वह भी चिल्ला उठी। तत्क्षण सांप ने मासूम के बांए हाथ पर काट लिया। उसे राजसमंद के एक हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। समय पर पहुंचने से उपचार सम्भव हो पाया और जान बच गई। ठीक होने के बाद अचानक तीन दिन बाद तबियत बिगड़ने से उदयपुर के महाराणा भूपाल अस्पताल रेफर किया गया। जहां गहन चिकित्सीय जांच में पता चला कि सांप का जहर बांए पांव में फैल जाने से स्थिति बिगड़ गई है। डॉक्टरों ने उपचार कर जान तो बचा ली परन्तु पांव को नहीं बचा पाए। घुटने के नीचे वाले भाग में जहर फैलने से पांव को पंजे से काटना पड़ा।

करीब एक साल से एक पांव पर फुदकते हुए चलने को मजबूर बेटी के भविष्य को देख माता-पिता को बहुत तकलीफ़ होती पर कर भी क्या सकते थे। इसी बीच एक रिश्तेदार ने निःशुल्क कृत्रिम अंग लगवाने की सलाह देते हुए उदयपुर नारायण सेवा संस्थान जाने की बात कही। जो अंधेरे जीवन को रोशन करने वाली साबित हुई। बिना समय गंवाए वे 29 मई को तुलसी को लेकर संस्थान आए। जहां प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक टीम ने जांच कर पांव का माप लिया। दो दिन बाद विशेष कृत्रिम पांव तैयार कर पहनाया गया। जिसे पहनते ही तुलसी आनंदित हो उठी। बेटी को बिना सहारे चलते देख माता.पिता भी प्रफुल्लित हो उठे। वे कहते हैं कि बेटी के भविष्य की चिंता अब दूर हो गई, पूरा परिवार संस्थान का जीवन भर आभारी रहेगा।

ग्यारह शहरों में 1900 से अधिक लाभान्वित

दिव्यांग बन्धु - बहिनों के पुनर्वास एवं सशक्तीकरण की दृष्टि से आपका यह संस्थान 38 वर्ष से नारायण कृपा और आपके सहयोग से निरंतर सेवारत है। जुलाई में देश के ग्यारह शहरों में कृत्रिम अंग - केलीपर माप एवं फिटमेंट शिविरों के माध्यम से 1900 से अधिक वे लोग लाभान्वित हुए जिनके हाथ - पांव जन्मजात विकृत थे अथवा हादसों में खो दिए थे। ये अब चलने के साथ अपने रोजमर्रा कार्य आसानी से कर सकेंगे।

आबूरोड़:- लॉयन्स क्लब (अरावली) आबूरोड़ (राज.) के सौजन्य से 2 जुलाई को जैन तीर्थ मानपुर में आयोजित नारायण कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर में 18 दिव्यांग जन को कृत्रिम अंग व 5 को केलीपर प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि लॉयन श्री अविनाश शर्मा थे। अध्यक्षता श्री अमित जैन ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री दिनेश कुमार, वैभव सेही, सुशील वर्मा, पवन अग्रवाल व एल.पी. शर्मा थे।

गोहाना:- सोनीपत (हरियाणा) जिले के गोहाना नगर में 2 जुलाई

को उपस्थित 80 दिव्यांगजन कृत्रिम अंग (हाथ-पांव) से लाभान्वित हुए। वेलकम फाउन्डेशन वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से आयोजित शिविर में 42 कृत्रिम अंग व 38 केलीपर प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि नगर परिषद की सभापति श्रीमती रंजनी वीरमानी थी। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री हरीश कर्नाटक, डॉ. चक्रवर्ती शर्मा, अरूण बड़ोक, एस. एन. गुप्ता, के.सी. शर्मा, जयवीर कौशिक व रामपाल दहिया थे।

अमलनेरः- स्व. सुंदर बाई बंशीलाल जी अग्रवाल एवं अग्रवाल संगठन जलगांव (महाराष्ट्र) के सौजन्य से

प्रताप मिल कम्पाउण्ड में 9 जुलाई को सम्पन्न फिटमेंट शिविर में 59 दिव्यांगजन को उनके माप के अनुसार निर्मित कृत्रिम अंग व 36 को केलीपर पहनाए गए। मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री श्री अनिल दास पाटील थे। अध्यक्षता आयोजक परिवार के श्री बजरंगलाल जी अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री कृषिकेश रावले, पवन मित्तल, विनोद अग्रवाल, अरविन्द सराफ, सुरेश अग्रवाल, दिलीप गांधी व दिगम्बर महाले थे।

वृंदावनः- भगवान श्री कृष्ण की लीला स्थली वृंदावन (उप्र) में 23 जुलाई को श्री रामचन्द्र जी डोगरेजी महाराज चैरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से रूकमणी विहार में नारायण लिम्ब एवं केलीपर माप शिविर सम्पन्न हुआ। जिसमें 43 दिव्यांगजन के लिए कृत्रिम अंग व 31 के लिए केलीपर बनाने का माप लिया गया। मुख्य अतिथि आयोजक जयाश्री अनिल बंटिया थी। अध्यक्षता हेमन्ती मधुसूदन दतानी ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री राजेन्द्र अग्रवाल, श्रीमती गीता नाथानी,श्रीमती हीना केस लोखववाल, रामवीर सिंह व सुश्री अनिता चावला थी। निःशुल्क सर्जरी के लिए 6 दिव्यांगजन का चयन भी किया गया।

अलीगढ़ः- डी.एस इंटर कॉलेज, दुबे का पड़ाव, अलीगढ़ (उप्र) में 23 जुलाई को आयोजित शिविर से 156 दिव्यांगजन लाभान्वित हुए। मुख्य अतिथि डॉ. सैयद थे। अध्यक्षता डॉ. निकिता गर्ग

ने की। शिविर में 86 दिव्यांग जन को 89 कृत्रिम अंग व 70 को 109 केलीपर उनके माप के अनुसार पहनाए गए। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री राहुल शर्मा, डॉ. मनोज गर्ग, विशाल भारती, डॉ. अंशु श्रोत्र, डॉ. सुनील कुमार व डॉ. डी. के वर्मा थे। निःशुल्क सर्जरी के लिए पांच का चयन भी किया गया।

सागरः- सागर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री शैलेन्द्र जी जैन के सहयोग से बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज, सागर (मप्र.) में 30 जुलाई को नारायण लिंब व कैलीपर्स माप शिविर सम्पन्न हुआ। जिसमें 197 दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। जिनके लिए 75 कृत्रिम अंग (हाथ-पांव) व 46 कैलीपर्स बनाने का माप लिया गया। शिविर की सहयोगी संस्थाएं श्री सीताराम रसोई समिति व श्री देव जगमोहन लाल गहोई वैश्य समाज ट्रस्ट थी। मुख्य अतिथि विधायक जैन ने नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों को पीड़ित मानवता की बड़ी सेवा बताया। अध्यक्षता श्री प्रकाश चौबे ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ. आर.एस.वर्मा, श्रीमती ज्योति चौहान, धनसिंह यादव, मनोज डेगरें, डॉ. एस. के पिप्पला व डॉ.आर.एस. जयंत थे।

अम्बालाः- सामुदायिक भवन सेक्टर -7 में श्रीराम नाम बैंक शहजादपुर के सहयोग से 30 जुलाई को सम्पन्न शिविर में 67 दिव्यांगजन के नारायण लिंब फिटमेंट हुआ। मुख्य अतिथि आयोजक श्री अजित शास्त्री थे। व्यवस्था में सहयोग लुधियाना आश्रम प्रभारी मधुसूदन शर्मा व अम्बाला आश्रम प्रभारी राकेश शर्मा का रहा।

बेंगलुरुः- विश्वेश्वरापुरम अरासोजी रॉय कल्याण मंतप्पा बेंगलुरु (कर्नाटक) में 16 जुलाई को विशाल कृत्रिम अंग माप शिविर आयोजित किया गया। जिसका उद्घाटन युवा अधिकारिता एवं खेल मंत्री कर्नाटक श्री बी. नागेंद्र ने किया। उन्होंने संस्थान की सेवाओं की प्रशंसा करते हुए अपने निर्वाचन क्षेत्र बल्लारी में भी दिव्यांगजन के लिए शीघ्र ही निःशुल्क कृत्रिम अंग माप शिविर के आयोजन की घोषणा की। विशिष्ट अतिथि के रुप में जनरल मोटर्स के निदेशक श्री अमित पटेल, प्रमुख उद्योगपति श्री गणपत जी व श्री गौतम बागरेचा भी मंचासीन थे। जिनका मेवाड़ की परम्परानुसार पाग व उपरणे से संस्थान के अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया, जनसंपर्क अधिकारी भगवान प्रसाद गौड़, शिविर प्रभारी रजत गौड़ व शाखा प्रमुख विनोद जैन ने स्वागत किया। शिविर में कर्नाटक सहित पड़ोसी राज्यों महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश व पश्चिम बंगाल के 400 से अधिक दिव्यांगजन शामिल हुए। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने संस्थान की ओर से अब तक अंग (हाथ-पैर) विहीन 38 हजार से अधिक दिव्यांगजन को निःशुल्क कृत्रिम अंग उपलब्ध करवाने की जानकारी देते हुए संस्थान की 38 वर्षीय सेवा यात्रा और संस्थापक पद्मश्री कैलाश जी 'मानव' के दीन-दुःखियों के प्रति संवेदनशील व समर्पित जीवन पर प्रकाश डाला।

वर्धा:- अग्निहोत्री कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग नागठाना वर्धा (महाराष्ट्र) में 6 अगस्त को संपन्न नारायण लिम्ब एवं कैलिपर्स माप शिविर में 195 दिव्यांगजन का रजिस्ट्रेशन हुआ। जिसमें से 75 के अंग व 35 के लिए कैलीपर बनवाने का माप पीएण्डओ डॉ. रामनाथ ठाकुर व उनकी टीम ने लिया। चार दिव्यांगजन का शल्य चिकित्सा के लिए चयन किया गया। लॉयन्स क्लब गांधी सिटी व जय महाकाली शिक्षण संस्थान के सौजन्य से आयोजित शिविर के मुख्य अतिथि पं.शंकर प्रसाद अग्निहोत्री व विशिष्ट अतिथि सर्वश्री संदीप जी चिचोटे, आशीष पोहणे, नारायण बागडोदिया, चंद्रकांत डगवार, सुनील धनवे, सुरेश बरे, महेश अग्रवाल व हनुमंत जोटिंग थे। अध्यक्षता श्री अनिल नरेडी ने की। संस्थान के ट्रस्टी-निदेशक श्री देवेंद्र चौबीसा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए पद्मश्री कैलाश जी 'मानव' द्वारा स्थापित नारायण सेवा संस्थान की देश-विदेश में 38 वर्ष की सेवायात्रा पर प्रकाश डाला। श्री देवेंद्र चौबीसा, शिविर प्रभारी हरिप्रसाद लढ्ढा, कौशल पालीवाल व कार्यक्रम संयोजक ऐश्वर्य त्रिवेदी ने संस्थान के दानदाताओं का भी स्वागत-सम्मान किया।

रेहला:- आदित्य बिरला पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय रेहला, जिला पलामू (झारखंड) में 6 अगस्त को विशाल निःशुल्क दिव्यांग जांच, ऑपरेशन चयन एवं कृत्रिम अंग माप शिविर आयोजित किया गया। ग्रासिम इंडस्ट्रीज ग्रासिम सामाजिक उत्तरादायित्व एवं महिला मंडल रेहला के संयुक्त सौजन्य में आयोजित शिविर में कुल 353 दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। जिनमें से 35 का निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन व 81 के कृत्रिम अंग तथा 128 के लिए कैलिपर बनाने के लिए डॉ. तपस पी. बेहरा की टीम ने माप लिया। शिविर में झारखंड के साथ ही पड़ोसी राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार व पश्चिम बंगाल के दिव्यांगजन भी बड़ी संख्या में पहुंचे। मुख्य अतिथि ग्रासिम इंडस्ट्रीज रेहला के प्रमुख श्री अशोक गुप्ता व विशिष्ठ अतिथि निदेशक श्री अनिल गिरी, स्कूल प्राचार्य श्री संदीप खन्ना व सीएमसीओ श्री हरिप्रसाद शर्मा, एचआर हेड अजित तिवारी, फाइनेंस हेड शिवम पाठक, तकनीकी हेड हरदीप कोहली व पावर प्लांट हेड दीपक शर्मा थे। अध्यक्षता महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मंजू गुप्ता ने की। संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी भगवान प्रसाद गौड़, संयोजक महिम जैन व शिविर प्रभारी लाल सिंह भाटी ने अतिथियों का मेवाड़ की पाग, उपरणा धारण करवाकर स्वागत-सम्मान किया।

सेमलाथला में विशाल सेवा शिविर

संस्थान की ओर से गोगुन्दा तहसील के सेमलाथला (मालवा का चौरा) गांव में 21 जुलाई को विशाल सेवा शिविर सम्पन्न हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में उपस्थित आदिवासी स्त्री, पुरुषों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ ही अन्न व वस्त्र वितरण किया गया। मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर संजीव कुमार जी थे। अध्यक्षता सरपंच तोताराम जी गरासिया ने की।

शिविर में पेसिफिक मेडिकल कॉलेज के त्वचा, नाक, कान, गला, हड्डी एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ 13 डॉक्टरों की टीम ने सेवाएं दीं। अनाज, राशन किट, भोजन पैकेट, छाते, चप्पल, कपड़े व निःशुल्क दवा प्रदान की गई। संस्थान साधक रोहित तिवारी, नरेंद्र सिंह चौहान, महिम जैन, दिलीप चौहान आदि ने प्रातः 9 से 3 बजे तक चले शिविर की व्यवस्थाओं को संभाला। शिविर में सेवाएं देने वाले विशेषज्ञ चिकित्सक थे - डॉ. आदित्य, डॉ. अम्बर प्रकाश (सर्जरी), डॉ. सृष्टि, डॉ. दिव्यानी (त्वचा), डॉ. कथित,डॉ. अभिषेक (पीडिया), डॉ. सुभाष (ऑथ्थल), डॉ. तानिया (स्त्री रोग), डॉ. मयंक, डॉ. स्नेहिल (ऑर्थो), डॉ. दिव्य प्रकाश (ईएनटी), डॉ. मीत मेहता व डॉ. ध्रूव मोहन (औषधी)।

चंडीगढ़ में दिव्यांग टैलेंट शो

इंद्रधनुषी मंच पर हौसले की मोहर

कोई दोनों पांव से तो कोई एक पैर से बैसाखी के सहारे जिंदगी जी रहा, कोई हादसों में पांव के साथ हाथ भी खो बैठा लेकिन दिव्यांग टैलेंट एवं फैशन शो के इंद्रधनुषी मंच पर हौसले की ऐसी छाप छोड़ी की हर कोई दंग रह गया।

चंडीगढ़ के सेक्टर 18 स्थित टैगोर थिएटर में 23 जुलाई को संस्थान द्वारा आयोजित दिव्यांग टैलेंट एवं फैशन शो में दिव्यांग कलाकारों ने प्रतिभा, हुनर और हौसले का जो प्रदर्शन किया,उससे साबित हो गया कि वे किसी से कम नहीं हैं। इनकी हौसला अफज़ाई के लिए मुख्य अतिथि के रूप में चंडीगढ़ नगर निगम की आयुक्त श्रीमती आनंदिता मित्रा (आईएएस) और भारत -तिब्बत पुलिस के आईजी श्री ईश्वर सिंह दुहन (आईपीएस) मौजूद थे। मेयर अनूप गुप्ता ने वीडियो शुभकामना संदेश दिया।

संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने अतिथियों व आगन्तुकों का स्वागत करते हुए कहा कि इस अनूठे कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाले प्रायः सभी दिव्यांग कलाकारों की दिव्यांगता सुधार सर्जरी संस्थान

में ही निरूशुल्क हुई। यहीं इन्होंने स्वरोजगारमुखी प्रशिक्षण और कृत्रिम अंग प्राप्त किये। फैशन डिजाइनिंग को लेकर इन्होंने बाजार में अपनी पहचान बनाई है। टैलेंट शो का शुभारंभ अतिथियों व संस्थान अध्यक्ष ने दीप प्रज्वलन व हनुमान चालीसा भक्ति परक नृत्य नाटिका की मनोहारी प्रस्तुति के बीच किया। सेवक प्रशांत भैया ने संस्थान सहयोगी भामाशाहों का मेवाड़ी पाग, उपरणा व प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया। जगदीश पटेल के व्हीलचेयर पर हेरत अंगेज करतबों पर थियेटर बहुत देर तक तालियों से गूंजता रहा। कमलेश के स्टंट से भी दर्शक आश्चर्यचकित रह गए। दोनों पांवों से दिव्यांग जगदीश पटेल ने जब दस फीट ऊंचे स्तंभ पर चढ़कर तिरंगा फहराया तो दर्शकों ने खड़े होकर सलामी दी। राजस्थान का लोक नृत्य भवाई और आदियोगी शिव नृत्य नाटिका भी दर्शकों के दिल को छू गई।

फैशन सत्र में दिव्यांग युवक -युवतियों ने जब अपने ही डिजाइन और सिले हुए वस्त्र पहन कर रैंप वॉक किया तो थिएटर बार-बार तालियों गूंजता रहा। करीब 30 दिव्यांग कलाकारों ने इस शो में प्रस्तुतियां दी। संस्थान के वरिष्ठ साधक भगवान प्रसाद गौड़, रोहित तिवारी, जसवीर सिंह, नरेंद्र सिंह सहित 25 साधकों की टीम ने कार्यक्रम का निर्देशन व संयोजन महिम जैन ने किया।

झीनी-झीनी रोशनी-52

पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का सेवा संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है।'मानव' जी के निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' पुस्तक में प्रस्तुत किया है।

उसने कैलाश जी को बताया कि गांव में बहुत बड़े ज्योतिषि रहते हैं। लोग दूर दूर से अपना भविष्य जानने यहां आते हैं, आपकी रूचि हो तो उनसे मिलने चलें ।

कैलाश जी को ज्योतिष में कोई दिलचस्पी तो नहीं थी मगर तरह तरह के लोगों से मिलने में उसे बड़ा मजा आता था, व्यक्ति कैसा भी हो, कुछ न कुछ उससे सीखने को मिल ही जाता है। कैलाश जी पोस्ट मास्टर के साथ ज्योतिषि के घर की तरफचल पड़े। घर छोटा ही था, कमरे में सामने ही ज्योतिषि जी बैठे थे, कैलाश जी कमरे के बाहर जूते उतार रहे थे, ज्योतिषि की निगाहें उन्हीं को घूर रही थी। ज्यूं ही उन्होंने कमरे में प्रवेश कर प्रणाम किया, ज्योतिषि बोल उठे - इन्स्पेक्टर साहब! आपका तो दो-तीन दिनों में स्थान परिवर्तन का योग है। कैलाश जी ने उनके समक्ष बैठते हुए कहा कि अभी तो यहां आये दो महीने भी नहीं हुए हैं, सिरोही से घर का सामान आये ही 10-15 दिन हुए हैं, झालावाड़ में ढंग से रहना शुरू ही किया है, आप मुझे वापस भेज रहे हैं। कैलाश जी को ज्योतिषी की बात पर रत्ती भर भी यकीन नहीं था मगर अपने स्वभाव के अनुसार विनम्रता पूर्वक ज्योतिषी की भविष्यवाणी के प्रतिकार की कोशिश की। ज्योतिषि ने कहा - आपके कहने और अनुभव करने से क्या होता है? आपके मस्तिष्क की रेखाएं सब बता रही हैं। कैलाश जी ने फिर कहा कि साल भर तो उसे यहां रहना ही है, इतनी जल्दी ट्रान्सफर थोड़े ही हो सकता, उनकी वाणी में उपेक्षा का भाव झलकने लगा था। ज्योतिषी ने मुस्कुराते हुए कैलाश जी की बात सुन ली और आशीर्वाद स्वरूप अपना हाथ उपर उठा दिया। कुछ देर इधर-उधर की बातें करने के बाद कैलाश जी वापस झालावाड़ रवाना हो गए। घर पहुँचते पहुँचते अंधेरा हो गया था। हाथ-मुँह धो ताजा हो कर वह भोजन करने बैठे। कल्पना ने भोजन परोसते हुए कहा कि आपके लिये एक चिट्ठी आई है, कमला तुरन्त बीच में टोकते हुए बोल उठी - कोई खास बात नहीं है, आप तो भोजन करो। भोजन के पश्चात् चिट्ठी खोली। चिट्ठी पढते ही उनके विस्मय का पारावार नहीं था । उसका स्थानान्तरण सरदार शहर कर दिया गया था। यह पढते ही उसे ज्योतिषि की बात याद आ गई और वो स्वयं को धिक्कारने लगा कि किस तरह उसने एक महान भविष्यवेत्ता की उपेक्षा कर उसका अपमान किया। उसकी ज्योतिष के प्रति अगाध श्रद्धा हो गई।

संस्थान परिसर में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

संस्थान के हिरण मगरी सेक्टर 4 एवं सेवा महातीर्थ बड़ी परिसर में देश की आजादी का 70 वां दिवस उत्साह और उल्लास से मनाया गया। मानव मंदिर प्रांगण में संस्थापक चेयरमैन पद्मश्री गुरुदेव श्री कैलाश जी 'मानव' ने व सेवा धाम में गुरुमाता श्रद्धेय कमला देवी जी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। संस्थान की गार्ड टुकड़ी ने सलामी दी। इस अवसर पर मानवजी ने कठिनाइयों से हासिल आजादी को अक्षुण्ण रखने का आव्हान करते हुए स्वतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम को श्रीमती कमला देवी जी, विष्णु शर्मा हितैषी, तुलसी धनजानी, नरेंद्र सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर ट्रस्टी राजेन्द्र अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में साधक व क्षेत्रवासी मौजूद थे। संयोजक महिम जैन ने भक्ति परक काव्य पाठ किया। सेवा महातीर्थ में नारायण चिल्ड्रन एकेडमी व गुरुकुल के बच्चों ने देशभक्ति के गीत-नृत्य प्रस्तुत किए। यहां राकेश शर्मा व अनिल आचार्य ने ध्वजारोहण किया।

सुपर स्पेशलिटी हॉस्पीटल
वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी

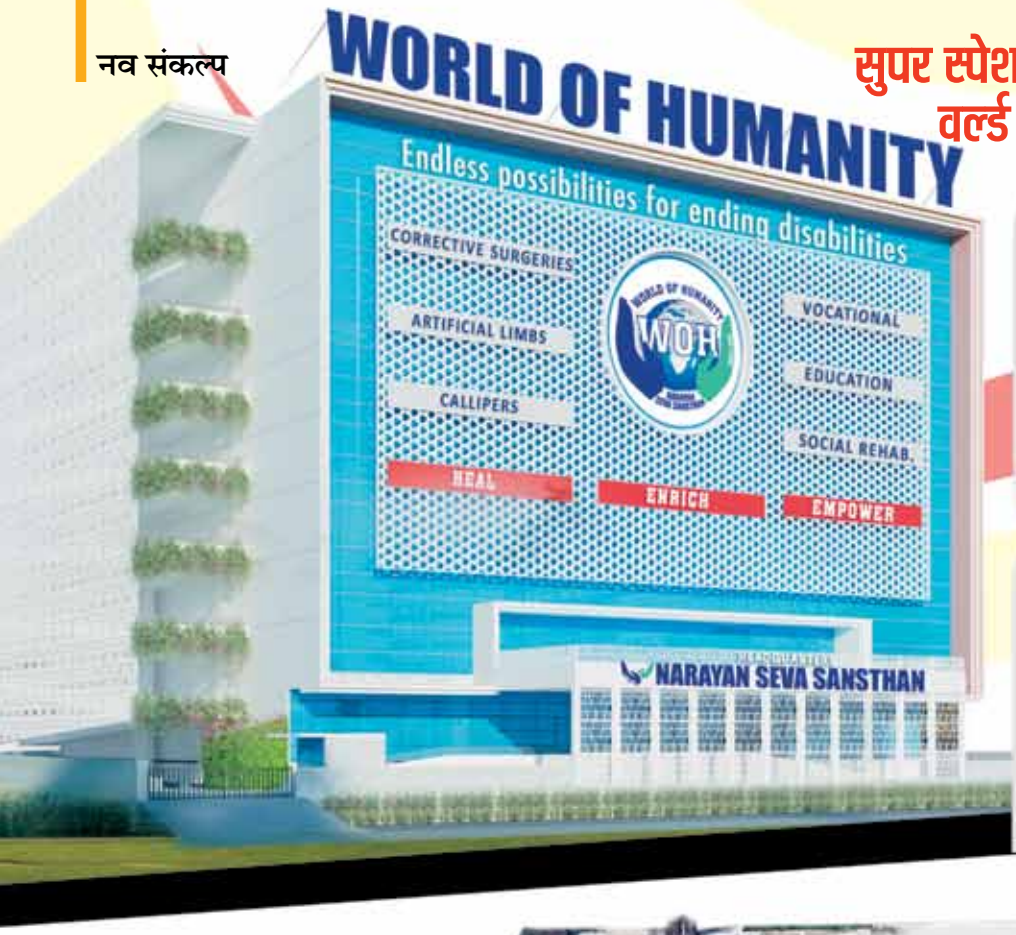

- 450 बेड का नि:शुल्क सेवा हॉस्पीटल
- नि:शुल्क शल्य चिकित्सा, जांचे, ओपीडी
- बस स्टेण्ड से मात्रा 700 मीटर दूर
- 7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त
- नि:शुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला
- रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

निर्माण सहयोगी बनें

पुण्य ईंट-लॉबी-दीवार पर नाम
1,00,000 रू.

सेवा ईंट-पायें पुण्य
51,000 रू.

मानवता ईंट-करूणा भाव से स्वागत
21,000 रू.

भारत में संचालित संस्थान शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)

श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514,
लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर, भूलीनगर

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714, बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108 अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657, कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
श्री सतीश शर्मा,मो. 09416121278
म.नं. 886, सेक्टर-7, अरबन एस्टेट करनाल

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला कैन्ट-133001

श्रीमान अजीत कुमार जी
शास्त्री (क्लॉथ मर्चेन्ट)
9416367996
चन्द्रभान वाली गली, गांव व पोस्ट-शहजादपुर
तहसील-नारायणगढ़
जिला-अम्बाला-134202

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढ़ा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम,
पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंग्लो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंडीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया, जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट, गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मू-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भदवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार डाइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण सेवा केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103, ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस., लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1, गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर जोधपुर (राज) 342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-बी-5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक, लश्कर,ग्वालियर 474001

हरियाणा

चण्डीगढ़
070734 52176
म.नं.-3658,सेक्टर-46/सी,चण्डीगढ़

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936 जीए,गली नं.-10,राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ. केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
7727868019,मकान न. 2249, सेक्टर-14,हिसार 125005

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,मकान नं.- 216, बांगुर एवेन्यू, ब्लॉक-बी, ग्राउण्ड फ्लोर, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) पिन कोड-700055

पंजाब

लुधियाना
07023101153
50/30-ए, राम गली, नौरीमल बाग भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393, म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी, बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
मो.: 9529920081 म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड, वडोदरा -390019

अहमदाबाद
मो.: 9529920080 म. नं.: बी 11, बसंत बहार फ्लेट, राजस्थान हॉस्पीटल के पीछे, शाहीबाग, अहमदाबाद 380004

दिल्ली

रोहिणी
08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

नारायण नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

दिल्ली

फतेहपुरी
08588835711
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कॉलोनी, दुर्गापुरी चौक,शाहदरा, दिल्ली-32

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07023101163, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मोदीनगर
आर्य समाज मंदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प के पास, मोदी बाग के सामने मोदीनगर -201204

बरेली
बी-17, राजेन्द्र नगर, जिंगल बेल्स स्कूल के पास, बरेली

लोनी
09529920084
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

गाजियाबाद
(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला कैलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

आगरा
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी,नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 (उप्र.)

राजस्थान

जयपुर
09928027946
बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080
ओ.बी. 3/27 गुजरात हाउसिंग बोर्ड खोडियार मंदिर, 4 रास्ता लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम रोड, बापूनगर, अहमदाबाद-24

राजकोट
09529920083, भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 यूनिवर्सिटी रोड,राजकोट

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साईं लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

महाराष्ट्र

मुम्बई
09529920090,ओसवाल बगीची, आरएनटी पार्क,भायन्दर ईस्ट मुम्बई - 401105

मध्य प्रदेश

रतलाम
दत्ता कृपा महात्मा गांधी मार्ग, गली नम्बर-2 एचडीएफसी बैंक के पीछे, स्टेशन रोड, रतलाम - 457001 (म.प्र.)

इन्दौर
09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार..

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000/-	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000/-
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000/-	13 ऑपरेशन के लिए	52,500/-
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000/-	5 ऑपरेशन के लिए	21,000/-
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000/-	3 ऑपरेशन के लिए	13,000/-
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000/-	1 ऑपरेशन के लिए	5,000/-

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मित्ति (हर वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)

नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7,000/-

दुखियों के चेहरों पर लाएं खुशियां

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5,000/-	15,000/-	25,000/-	55,000/-
व्हील चेयर	4,000/-	12,000/-	20,000/-	44,000/-
कैलिपर	2,000/-	6,000/-	10,000/-	22,000/-
वैशाखी	500/-	1,500/-	2,500/-	5,500/-
कृत्रिम हाथ/पैर	5,000/-	15,000/-	25,000/-	55,000/-

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि

1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500/-	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500/-
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500/-	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000/-
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000/-	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000/-

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पैन नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

STATE BANK OF INDIA	-H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	-Madhuban	ICIC0000045	004501000829
PUNJAB NATIONAL BANK	-KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
UNION BANK OF INDIA	-UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148
HDFC BANK	358-Post Office Road, Chetak Circle	HDFC0000119	50100075975997

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

संस्थान के दानवीर भामाशाहों का हार्दिक आभार

श्री मुरारी लाल गुप्ता एवं श्रीमती कुन्तेश देवी गुप्ता अलवर (राजस्थान)

श्रीमती एवं श्री गुलाब यशवन्त राव चवरे, नागपुर (महाराष्ट्र)

श्री किशन चंद रस्तोगी स्व. श्रीमती सरोज रस्तोगी दिल्ली

श्री ओम प्रकाश गुप्ता श्रीमती मीरा देवी गुप्ता लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

स्व.श्री प्राणलाल एम शाह, मलाड, मुम्बई (महाराष्ट्र)

स्व.श्री सत नारायण गुप्ता, नई दिल्ली

श्री चैनराज दोषी पूणे (महाराष्ट्र)

श्री राजिन्दर कुमार कपूर, अम्बाला शहर (हरियाणा)

श्री पंकज भाई कापडीया सुरत (गुजरात)

श्रीमती संतोष देवप्रकाश दीक्षित, रतलाम (मध्य प्रदेश)

स्व.श्री सिद्धि गोपाल वर्मा, कानपुर (उत्तर प्रदेश)

श्री संजय बधियानी वर्ली-मुम्बई

श्री अखिल कपूर, एलिना कपूर व एडेना कपूर टोरंटो (कनाडा)

श्रीमती संतोष सिंघल हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

स्व.श्री भगवान गोयल, दिल्ली

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

प्रकृति ही हमारी सच्ची स्वास्थ्य रक्षक है

राजस्थान का कश्मीर कही जाने वाली झीलों की नगरी उदयपुर से 15 कि.मी दूर अरावली पर्वतमाला की सुरम्य वादियों के आंचल में लियों का गुड़ा गांव स्थित नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने का सादर आमंत्रण है।

- पूर्णतः प्राकृतिक वातावरण में प्राकृतिक चिकित्सा विधि से नाना प्रकार के रोगों का इलाज।
- चिकित्सालय में भर्ती होने वाले रोगियों की दिनचर्या प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशानुसार निर्धारित होती है।
- रोगियों को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार आहार चिकित्सा दी जाएगी।
- आवास एवं भोजन की सुव्यवस्था।

नेचुरोपैथी के साथ योगा थेरेपी एवं एडवांस एक्यूपंक्चर थेरेपी भी उपलब्ध है। सम्पर्क करें :+91-294-6622222, 7023509999

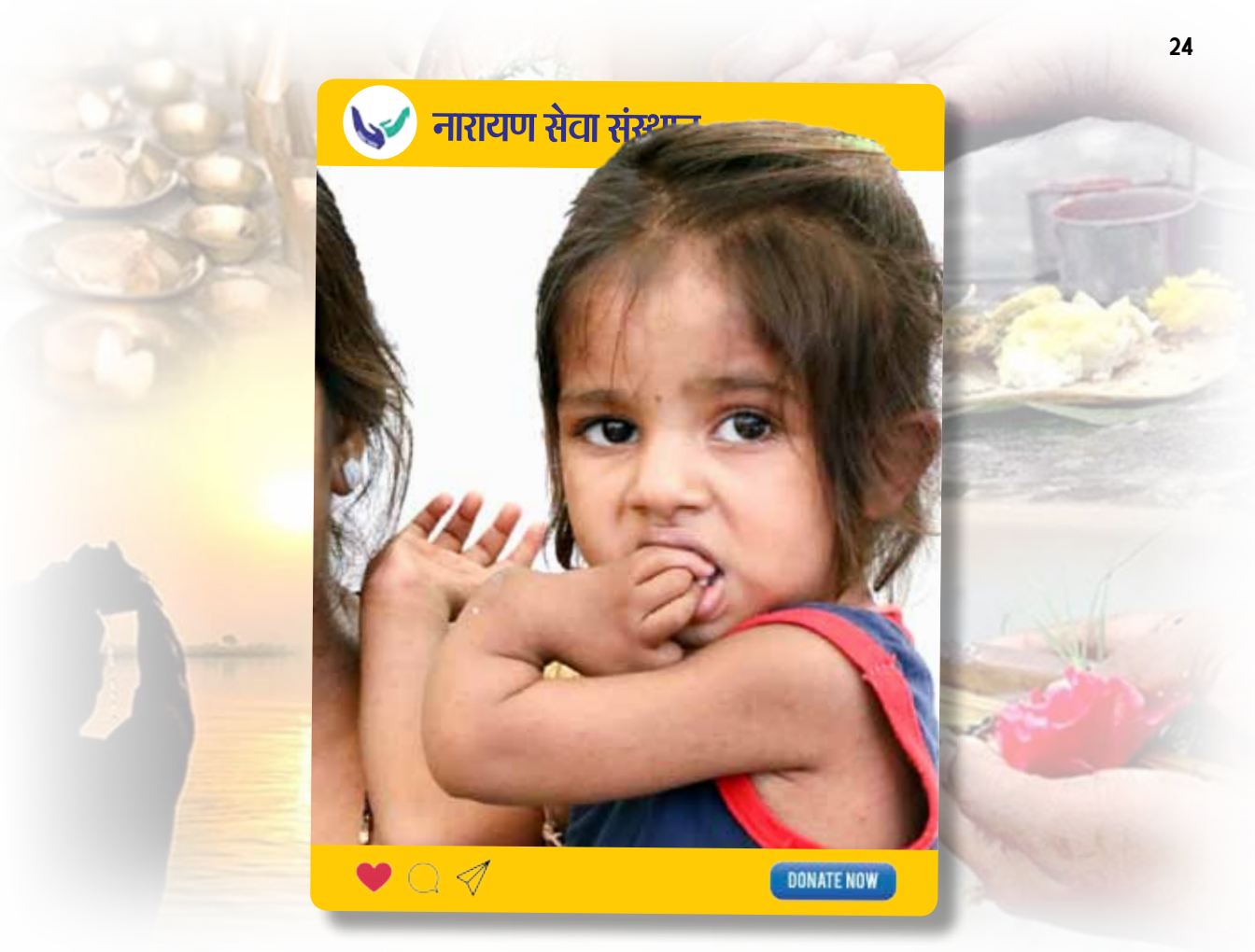

दिवंगत परिजनों को प्रसन्न करने का अवसर

श्राद्ध पक्ष

29 सितम्बर से 14 अक्टूबर, 2023

कृपया मदद करें दिव्यांगों की

₹5000

एक ऑपरेशन सहयोग

Seva Soubhagya, Print Date 1 September, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-